

पाठ -1 ध्वनि

प्रश्न 1. 'अभी न होगा मेरा अंत' यह किसका विश्वास है?

प्रश्न 2. कवि के जीवन में अभी क्या भरा हुआ है?

प्रश्न 3. कवि किनके आँखों से आलसपन को हटाकर उन्हें चुस्त व फुर्तीला बना देगा?

प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों का शब्दार्थ लिखिए- मृदुल, प्रत्यूष, गात, तंद्रालस।

प्रश्न 5. 'ध्वनि' शीर्षक कविता में कवि पुष्पों को अनंत का द्वार क्यों दिखाना चाहता है?

प्रश्न 6. 'नवजीवन का अमृत' से क्या अर्थ है?

प्रश्न 7. कवि ने अपने जीवन की तुलना वसन्त से ही क्यों की है?

प्रश्न 8. 'ध्वनि' शीर्षक कविता में किस आधार पर कवि अपने जीवन का अंत मानने को तैयार नहीं है?

प्रश्न 9. "अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदुल वसंत –
अभी न होगा मेरा अंत।"
उपर्युक्त पंक्तियों द्वारा कवि क्या बताना चाहते हैं।

प्रश्न 10. "पुष्प-पुष्प से तंद्रालस
लालसा खींच लूँगा मैं,
अपने नव जीवन का अमृत
सहर्ष सींच दूँगा मैं
द्वार दिखा दूँगा फिर उनको।
हैं मेरे वे जहाँ अनंत –
अभी न होगा मेरा अंत।"
उपर्युक्त पंक्तियों द्वारा कवि क्या बताना चाहते हैं।

प्रश्न 11. वसंत ऋतु में आनेवाले त्योहारों के विषय में जानकारी एकत्र कीजिए और किसी एक त्योहार पर निबंध लिखिए।

प्रश्न 12. वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है? चर्चा कीजिए।

प्रश्न 13. कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?

प्रश्न 14. फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन-कौन-सा प्रयास करता है?

प्रश्न 15. कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?